सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 9 • अंक: 10 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शनिवार, 11 फरवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

आप जितना अधिक अपने जीवन की प्रशंसा करेंगे और उसका जश्न मनाएंगे, उतना ही आपके जीवन में जश्न मनाने को होगा।

-ओपरा विन्फ्रे

20 मार्च को संसद भवन पर जुटेंगे देशभर... 2 | 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान के जरिए... 3 | प्रियंका ने जमा कराई महिला ऑटो... 7

शर्मनाक

चीफ सेक्रेटरी ने अफसरों के साथ मिलकर कर डाला दर्जनों महिलाओं से बलात्कार

» 900 पन्नों की चार्जशीट में खुला पूर्व आईएएस अधिकारी का काला चिट्ठा

» कई महिलाओं के साथ नौकरी के नाम पर रेप करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गैंगरेप के आरोपी अंडमान निकोबार के पूर्व मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण और लेबर कमिश्नर आरएल ऋषि के अब हर गुनाह का पूरा हिसाब होगा। इस हाईप्रोफाइल मामले की जांच एसआईटी को सौंपी गई थी। लंबी जांच के बाद अब एसआईटी ने पुख्ता सबूत जुटा लिए हैं। मुख्य आरोपियों द्वारा सबूतों को नष्ट करना, दूसरे आरोपियों के साथ मिलकर पूरा कांड किया जाना और पीड़िता के बयान आपस में मेल खा रहे हैं। ऐसे में अब इन नौकरशाहों पर गाज गिरना तय है।

एसआईटी टीम ने इन पूर्व अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के पुख्ता सबूत जुटा लिए हैं। उनका मानना है कि ये आरोपों को सिद्ध करने के लिए ये पर्याप्त हैं। अंडमान और निकोबार के मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण और तीन अन्य पर बलात्कार और आपराधिक साजिश सहित कई आरोप संगीन आरोप हैं। बता दें कि इस मामले में सबसे पहली शिकायत पोर्ट ब्लेयर की एक 21 वर्षीय लड़की ने ने दर्ज कराई थी। लड़की ने पहले अंडमान निकोबार पुलिस के सामने और बाद में एसआईटी को विस्तार से बताया कि कैसे नारायण ने दो मौकों पर उसका हिंसक यौन उत्पीडन् किया। और कैसे फिर केंद्र शासित प्रदेश के लेबर कमिश्नर भी उसमें शामिल हो गए थे।

एक अक्टूबर 2022 को दर्ज हुई थी पहली एफआईआर

इस केस में एफआईआर एक अक्टूबर 2022 को दर्ज की गई थी। उस वक्त नारायण दिल्ली वित्त निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद पर तैनात थे। सरकार ने 17 अक्टूबर को नारायण को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। महिला ने दावा किया था कि उसके पिता और उसकी सौतेली मां उसकी आर्थिक जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही थी, इसलिये उसे एक नौकरी की जरूरत थी और कुछ लोगों ने उसका परिचय लेबर कमिश्नर से कराया। क्योंकि वह तत्कालीन मुख्य सचिव के करीबी थे। उसने यह भी दावा किया कि मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों में केवल सिफारिश के आधार पर और बिना किसी औपचारिक साक्षात्कार के 7800 उम्मीदवारों की नियुक्ति की है। महिला ने कहा कि उसे सरकारी नौकरी दिलाये जाने का झांसा देकर मुख्य सचिव के घर पर ले जाया गया, जहां 14 अप्रैल और एक मई को उसके साथ बलात्कार किया गया।

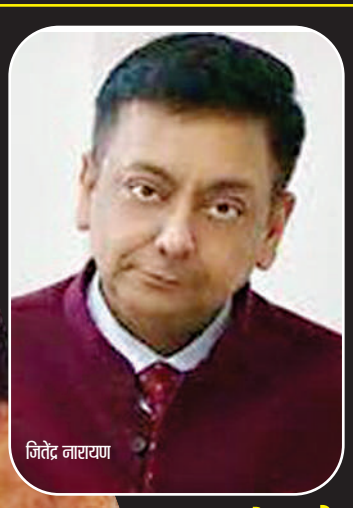

जितेंद्र नारायण

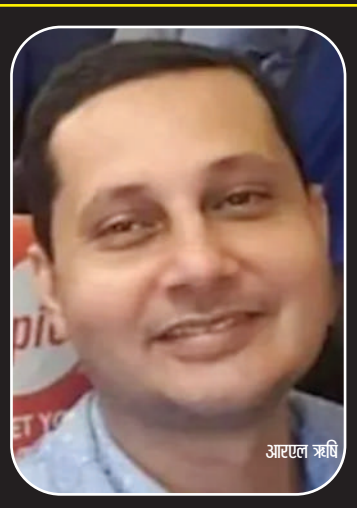

आरएल ऋषि

जांच के दौरान हुआ नारायण और ऋषि का आमना-सामना

जितेंद्र नारायण न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में कैसे एक संरक्षित गवाह ने तत्कालीन मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण के आधिकारिक आवास पर आने वाली अधिक महिलाओं के बारे में गवाही दी है। 900 से अधिक पन्नों की चार्जशीट से पता चला है कि जितेंद्र नारायण के दोनों सह-आरोपी ऋषि और होटल मालिक संदीप सिंह ने अपने बयानों में घटनाओं के सटीक क्रम की पुष्टि की है। तीनों आरोपी पोर्ट ब्लेयर में न्यायिक हिरासत में हैं। माना जा रहा है कि जांच के दौरान नारायण और ऋषि का आमना-सामना हुआ था। इस दौरान दोनों से सवाल-जवाब किए गए थे। सबूत के लिए इसकी वीडियोग्राफी भी की गई थी। इस दौरान ऋषि ने अपने खुलासे वाले बयान की पुष्टि की और कहा कि नारायण ने उन्हें महिलाओं को लाने के लिए कहा था। जांच में सामने आया है कि मामले की कई सबूतों को मिटाया गया है। इस रैकेट के तहत 20 से अधिक महिलाओं को एक साल से अधिक समय के अंदर कथित तौर पर पोर्ट ब्लेयर स्थित पूर्व मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण के घर लाया गया। इनमें से कई महिलाओं को यौन शोषण के बाद जॉब भी दी गई।

एसआईटी को मिले दो गुमनाम पत्र

इस दौरान पता चला है कि ऋषि ने अपने खुलासे वाले बयान की पुष्टि की और कहा कि नारायण ने उनसे महिलाओं को अपने घर लाने के लिए कहा था। ऋषि ने यह भी स्वीकार किया कि वे एक और पीड़ित को मुख्य सचिव के आवास पर ले गए। एसआईटी को दो गुमनाम पत्र भी मिले हैं जिसमें अधिक पीड़ितों का आरोप लगाया गया है। दो टॉवर लोकेशन ट्रैक के लिए, फोन कॉल रिकॉर्ड, रूट मैप और कई डिजिटल ट्रेल्स के विवरण मिले हैं। जो ये साफ करते है कि इस मामले में लगाए गए आरोप सही हैं। नारायण और दो अन्य आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप, सत्ता में बैठे व्यक्ति द्वारा यौन संबंध, आपराधिक धमकी और आपराधिक साजिश के आरोपों से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धाराएं लगाई गई हैं। इसके अलावा एसआईटी ने एक और धारा जोड़ दी है।

शिवपाल यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर साधा निशाना

भाजपा सरकार बताए नौ सालों में देश में कितना आया इन्वेस्टमेंट

» लखनऊ का नाम बदलने पर बोले-आप लक्ष्मणपुरी करिए, हम फिर लखनऊ कर देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में इस समय देश-दुनिया से करीब 10 हजार इन्वेस्टर्स का मेला लगा हुआ है। भाजपा सरकार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रदेश में पिछले छह से सात सालों में माहौल बदलने की बात कही। दूसरी ओर विपक्ष इस इन्वेस्टर्स समिट को लेकर सरकार पर हमलावर है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने इन्वेस्टर्स समिट को लेकर सरकार से सवाल करते हुए पूछा कि पिछले 9 सालों में कितना इन्वेस्टमेंट आया? इसका खुलासा भी भाजपा की सरकार को करना चाहिए। शिवपाल ने प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार में कई इन्वेस्टर समिट के आयोजन हुए हैं। बड़े-बड़े दावे किए गए हैं। धरातल पर वह उतरता नहीं दिखता है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन से यूपी में क्या बदलाव आया है, इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। हवा-हवाई बातों से कुछ हासिल नहीं होने वाला है। वहीं, लखनऊ का नाम बदलने की मांग पर उन्होंने कहा कि वे नाम बदलते रहें। हम आएंगे तो पुराना नाम बहाल कर देंगे। आप परंपरा शुरू करोगे तो हम आगे बढ़ाएंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री मोदी और उद्योगपतियों के आने के मामले को लेकर शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा के लोग झूठे हैं। पिछले आठ से नौ सालों में इन लोगों ने लोगों ने क्या किया है? यह तो बताएं। हम पूछना चाहते हैं कि इन सालों में इन लोगों ने प्रदेश के लिए क्या किया? कितनी भर्तियां हुई हैं? कितने इन्वेस्टमेंट यह लोग लेकर आए हैं? पहले इसका हिसाब तो हो जाए। पूरे देश और प्रदेश में कितना इन्वेस्टमेंट लाया गया हैं। यह सामने आना चाहिए। योगी सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने पूछा कि आपका बजट क्या था? आपने खर्च कितना किया? इसका हिसाब तो दो।

सरकारी कार्यालयों में मची है लूट

शिवपाल यादव ने योगी सरकार में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के थाने, तहसील से लेकर सरकारी कार्यालयों तक में लूट मची हुई है। जनता को न्याय नहीं मिल रहा है। इन्हें लूट-खसोट का अड्डा बना दिया गया है। इस प्रकार की स्थिति पहले कभी नहीं थी। उन्होंने रायबरेली में सपा नेता की गिरफ्तार को प्रदेश में प्रजातंत्र पर हो रहे हमले से जोड़ा। शिवपाल ने कहा कि स्थिति हमेशा एक समान नहीं रहती है। स्थिति बदलेगी तो मुश्किलें उनकी भी बढ़ेगी।

जयंत चौधरी फिर चुने गए रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल पार्टी ने अपनी नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। पार्टी की ओर से जयंत चौधरी को एक बार फिर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। राष्ट्रीय लोकदल के संगठनात्मक चुनाव 2022-25 की चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी शिवकरन सिंह ने जयंत चौधरी को राष्ट्रीय लोकदल का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। आरएलडी के राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक त्यागी ने एक पत्र जारी कर यह जानकारी दी।

बताया गया कि चुने जाने के बाद जयंत चौधरी ने पार्टी कार्यालय में स्व. चौधरी चरण सिंह, स्व. चौधरी अजित सिंह के चित्रों पर माल्यार्पण किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। त्रिलोक त्यागी ने बताया की राष्ट्रीय लोकदल का राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 14 फरवरी 2023 को कांस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में होगा, जिसमें राजनैतिक व आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होगी।

20 मार्च को संसद भवन पर जुटेंगे देशभर के किसान

» राकेश टिकैत ने कहा-जारी रहेगी हकों की लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। किसान एक बार फिर देश की राजधानी दिल्ली में बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। किसान मोर्चा के आह्वान पर देशभर के किसान 20 मार्च को संसद भवन पर जुटेंगे। भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा कि 26 जनवरी 2024 को देशभर में किसान ट्रैक्टर परेड निकालेंगे। हकों की लड़ाई जारी रहेगी। जमीन और पीढ़ियां बचाने के लिए किसान 20 साल तक आंदोलन के लिए तैयार रहें। किसान को कर्ज नहीं एमएसपी पर गारंटी कानून चाहिए।

राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित किसान मजदूर महापंचायत में दिल्ली में दूसरे चरण के आंदोलन का एलान किया गया। संयुक्त किसान मोर्चा, भारतीय किसान यूनियन और हरियाणा व यूपी के खाप चौधरियों ने विचार विमर्श के बाद एलान किया कि एमएसपी पर गारंटी कानून के लिए संसद भवन पर देशभर भर के किसान महापंचायत करेंगे। एक साथ सभी राज्यों के किसान दिल्ली आएंगे। किसानों से तैयारियां शुरू करने का आह्वान किया।

राकेश टिकैत ने कहा कि देश में कंपनियों की सरकार और नागपुर पॉलिसी चल रही है। प्रशासन को चेताया कि पीएसी नहीं, चाहे मिलिट्री बुला लो, ट्यूबवेलों पर जबरदस्ती बिजली के मीटर नहीं लगने देंगे।

हमारे सवालों का जवाब क्यों नहीं देते पीएम

» प्रधानमंत्री अपने दोस्त पर मेहरबान हैं, इसी कारण चर्चा नहीं चाहते : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बार फिर नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने सवाल किया कि हमने जेपीसी की मांग की थी, वो क्यों नहीं हुई? आखिर जांच कराने में मोदी जी को दिक्कत क्या है?

खरगे ने कहा कि एलआईसी का पैसा अडानी की कंपनी में लगा है, उसके नुकसान पर क्या सवाल नहीं होना चाहिए? क्या एसबीआई के अडानी को दिए गए कर्ज की चर्चा नहीं होनी चाहिए? अडानी के शेयर एक लाख करोड़ क्यों गिर गए? उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अडानी के एजेंट के रूप में उन्हें कई देशों में ठेके दिलाए। इतना होने के बाद भी पीएम मोदी उनका नाम नहीं ले रहे हैं और हमारे सवाले के जवाब भी नहीं दिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी अपने दोस्त पर मेहरबान हैं। इस कारण चर्चा नहीं चाहते। हम सवाल करते हैं कि आपके (पीएम मोदी) एक नजदीकी दोस्त की संपत्ति कैसे बढ़ी तो इस पर भी उन्हें आपत्ति थी। हर बात पर वे कह रहे थे इसे प्रमाणित कीजिए। उन्होंने आगे बताया कि मैंने कहा था आपके चुप्पी साधने और मौनी बाबा बनने के चलते ये स्थिति आई है, इसका इस्तेमाल पहले भी किया जा चुका है, लेकिन इसे भी रिकॉर्ड से निकाल दिया गया। खरगे ने कहा कि पीएम मोदी संसद में नेहरू और गांधी परिवार के नाम को लेकर कह रहे हैं। यह कोई बात है? हमसे वो सवाल करते हैं कि 60 साल में क्या किया? सवालों के जवाब नहीं देते। वहीं कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि उनसे कि नाना के नाम का कौन सरनेम लगाता है? उन्हें संस्कृति की समझ नहीं है?

'काउ हग डे' पर कांग्रेस का सवाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने काउ हग डे की अपील वापस लिए जाने के बाद कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि यह किसका आइडिया था। उन्होंने ट्वीट किया, 'सबसे पहले यह किसके दिमाग की उपज थी?' बता दें कि भारतीय पशु कल्याण बोर्ड ने उस नोटिस को वापस ले लिया, जिसमें उसने लोगों से 14 फरवरी को काउ हग डे मनाने की अपील की थी। नोटिस में कहा गया था कि गायों को गले लगाने से भावनात्मक संपन्नता आएगी और सामूहिक प्रसन्नता बढ़ेगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

पत्रकार की हत्या की हो निष्पक्ष जांच : संजय राउत

» मामले पर डिप्टी सीएम को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) गुट के सांसद संजय राउत ने रत्नागिरी के पत्रकार की हत्या का मामला उठाया है। उन्होंने इस मसले पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र भी लिखा है। इसमें उन्होंने मामले में जांच की निष्पक्ष मांग की है। आग्रह किया है कि वह खुद इस मसले में होने वाली जांच की निगरानी करें। राउत ने ट्विटर पर भी अपनी चिट्ठी सार्वजनिक की है।

दरअसल 48 साल के शशिकांत वारीशे एक मराठी अखबार में काम करते थे। सोमवार को वारीशे की बाइक में रत्नागिरी जिले के राजापुर में एक पेट्रोल पंप के पास एक एसयूवी कार ने सोमवार को टक्कर मार दी थी। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गये थे। दूसरे दिन अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। आरोप है कि यह गाड़ी पंढरीनाथ आंबेरकर चला रहा था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वारीशे ने सोमवार को ही मराठी अखबार में रत्नागिरी रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल प्रोजेक्ट के खिलाफ एक लेख लिखा था। हत्या का आरोपी पंढरीनाथ आंबेरकर इस प्रोजेक्ट का समर्थक है।

'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान के जरिए झारखंड में अपनी सियासी जमीन तलाशेगी कांग्रेस

» अभी भी गठबंधन सरकार का हिस्सा है पार्टी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

दुमका। भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस देश के अलग-अलग हिस्सों में 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' के जरिए लोगों को अपने साथ जोड़ने का काम कर रही है। इन यात्राओं और अभियानों के जरिए कांग्रेस 2024 के लिए खुद को तैयार करने में लगी है। 2024 से पहले इस साल नौ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों पर भी कांग्रेस की पूरी नजर है। जिन नौ राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें एक झारखंड राज्य भी शामिल है। वैसे तो कांग्रेस अभी भी झारखंड की गठबंधन सरकार में शामिल है, लेकिन इस चुनाव में वो खुद की सियासी जमीन तलाशने की कोशिश करेगी। इसीलिए राज्य में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए कांग्रेस हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को इस राज्य में शुरू करेगी। इसके जरिए कांग्रेस अपने संगठन को तो मजबूत करेगी ही, साथ ही लोगों के बीच जाकर अपनी बातों को उनके सामने रखेगी और उनसे जुड़ने का भी प्रयास करेगी। इसी क्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 11 फरवरी को झारखंड के संथाल परगना दौर पर आ रहे हैं। झारखंड के साहेबगंज जिले के बरहड़वा से 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान की शुरुआत करेंगे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रणव झा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि झारखंड में 11 फरवरी से हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की शुरुआत संथाल परगना के बड़हरवा से की जायेगी।

झारखंड में कांग्रेस की स्थिति कुछ बेहतर नहीं है। अंदरखाने उठा-पटक के दौर से गुजर रही पार्टी को अब एक विशेष फैक्टर का साथ मिलने वाला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर पार्टी कार्यकर्ता देख रहे हैं।

जन-जन तक पहुंचाऐंगे संदेश

प्रणव झा ने कहा कि इस अभियान के दौरान पार्टी के कार्यकर्ता राहुल गांधी के संदेश को घर-घर पहुंचाएंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने बताया कि हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी के नेता-कार्यकर्ता लोगों के घर-घर जाकर राहुल गांधी का संदेश देंगे। कांग्रेस पार्टी की नीतियों और सिद्धांत को लोगों तक पहुंचायेंगे। उन्होंने बताया कि हाल ही में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में सम्पन्न हई भारत जोड़ो यात्रा काफी सफल रही। इसमें कांग्रेस ने देश भर के लोगों को जोड़ने का काम किया है। इससे आम कांग्रेसी कार्यकर्ता काफी उत्साहित हैं। अब पार्टी के निर्णयानुसार हाथ से हाथ जोड़ो का नया अभियान भी जन-जन तक पहुंचेगा।

कांग्रेस का नया अभियान

कांग्रेस का कहना है कि आमतौर पर सभी कार्यक्रम तो राजधानी से शुरू होते ही हैं। दुमका राज्य की उपराजधानी है। यहीं से हम लोग पूरे राज्य और देश तक पहुंचेंगे। जहां तक बरहरवा की बात है। झारखंड विधानसभा में पार्टी विधायक दल के नेता और राज्य के मंत्री आलमगीर आलम का ये विधानसभा क्षेत्र है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रणव झा ने केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि आज पूरे देश में महंगाई - बेरोजगारी से हर वर्ग के लोग परेशान हैं। सामाजिक विद्वेष फैल रहा है। लोगों की आय घट रही है। उन्होंने कहा कि संसद में जब राहुल गांधी इन मुद्दों को लेकर सवाल करते हैं तो केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार के पास उसका कोई जबाब नहीं है। सदन में विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। कांग्रेस उसका जवाब देगी।

छत्तीसगढ़ में सत्ता वापसी के लिए भाजपा ने तैयार की खास रणनीति

पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बस्तर से की अपने मिशन की शुरुआत

» बस्तर की 12 सीटों पर है पार्टी का खास फोकस

» 15 साल तक राज्य की सत्ता में रही है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। राज्य में अभी कांग्रेस की सरकार है और सत्ता की कमान भूपेश बघेल के हाथों में है। नक्सल प्रभावित माने जाने वाले छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार आने के बाद हालात काफी सुधरे हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी यहां सत्ता पाने के लिए काफी मशक्कत कर रही है। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने आज पूरी तरह से अपना चुनावी बिगुल फूंक दिया है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज 11 फरवरी को बस्तर में एक जनसभा को संबोधित करके अपने मिशन की शुरूआत की। भाजपा ने मिशन छत्तीसगढ़ के लिए बस्तर का ही चयन क्यों किया इसके पीछे भी एक वजह है। दरअसल, भाजपा का मेन फोकस अदिवासी क्षेत्रों में अपनी पकड़ को मजबूत करना है।

2018 में कांग्रेस को मिली थी बंपर जीत

2018 के विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को एकतरफा जीत मिली थी। बस्तर डिवीजन की 12 में से 11 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। वहीं राज्य में 2018 से लेकर हुए अब तक के सभी उपचुनावों में बीजेपी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। बीजेपी छत्तीसगढ़ की सत्ता में 15 साल तक रही है।

जगदलपुर में जनसभा से पहले नड्डा छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ भी बैठकें भी कीं। जेपी नड्डा बस्तर में पार्टी कार्यकताओं से मिलने और उन्हें संबोधित करने सहित अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे।

आदिवासी क्षेत्र पर फोकस

विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी आदिवासी क्षेत्रों पर फोकस कर रही है। आदिवासी क्षेत्र का विश्वास जीतने के लिए भाजपा कोई कसर नहीं छोड़ रही है। बस्तर डिवीजन में विधानसभा की 12 सीटें हैं। छत्तीसगढ़ में सरकार बनाने के लिए ये 12 सीटें महत्वपूर्ण हैं। चुनावों को देखते हुए बीजेपी आदिवासी इलाकों पर फोकस कर रही है। जेपी नड्डा की होने वाली रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह है। बीजेपी इस रैली को सफल बनाने में लगी हुई है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बाल विवाह: समूचे भारत में असम जैसी मुहिम की दरकार

कुछ कुप्रथाएं आज भी समूचे समाज को शर्मसार करती हैं, उन्हीं में बाल विवाह भी है। इस कुप्रथा के खिलाफ असम सरकार द्वारा चलाया जा रहा अभियान चर्चाओं में है। ऐसे अभियान पहले भी विभिन्न राज्यों में खूब चले, लेकिन धीरे-धीरे कमजोर पड़े। लेकिन मौजूदा मुहिम ने फिर से ताकत दी है, नई चेतना जगाई है। बाल विवाह की घटनाएं अधिकांश राजस्थान में सुनने को मिलती थीं। लेकिन सेवन सिस्टर्स राज्यों में कोई कल्पना तक नहीं करता था कि वहां भी इस तरह की हरकतें कोई करेगा। हालांकि, भारत का कोई ऐसा राज्य नहीं है, जहां कम उम्र के बच्चों की शादियां न हुई हों और होती हैं। लेकिन ताज्जुब होता है कि उत्तर पूर्व भारत के राज्यों असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड व त्रिपुरा में भी व्यापक स्तर पर नौनिहालों के बचपन के साथ लोग खिलवाड़ कर रहे हैं और हुकूमतें चुप बैठी हैं या फिर कार्रवाई करने में उन्होंने उदासीनता दिखाई। कई कारण हो सकते हैं, लेकिन असम सरकार के अभियान का स्वागत न सिर्फ समूचा देश कर रहा है बल्कि केंद्रीय बाल आयोग, राज्य बाल संरक्षण आयोग से लेकर बाल समितियां, बाल कल्याण संस्थान एवं बाल विकास संस्थान भी कर रही हैं। ये अभियान अगर यूं ही सख्ती से चलता रहा, तो बाल विवाह कुप्रथा के खिलाफ ये आखिरी चोट होगी, कार्रवाई के बाद सजा इतनी कठोरतम हो, जिससे लोग डरें इस कृत्य करने को।

आजादी के बाद हिंदुस्तान में वैसे तो कई कुप्रथाओं ने समाज को आहत-परेशान किया। लेकिन एक-एक करके कई कुप्रथाएं ध्वस्त होती गईं। उन्हीं में से बाल विवाह कुप्रथा है, जो अभी तक जिंदा है। दरअसल, बाल विवाह प्रथा के जिंदा रहने के कारण कई हैं। उन कारणों में हम आप बराबर के दोषी हैं, बाल विवाह की घटनाएं हमारे आसपास भी घटती हैं, लेकिन हम उनसे मुंह फेर लेते हैं। जबकि, ऐसा करना नहीं चाहिए, अगर हम उसी वक्त आवाज उठाएं, तो ये प्रथा भी अपने आप दम तोड़ दे। इसके अलावा शिक्षा का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार होना चाहिए विशेषकर गांव-देहातों, आदिवासी क्षेत्रों व रूढ़िवादी सोच वाले लोगों में? बाल विवाह कराने वाले अभिभावकों व इसमें शामिल व्यक्तियों पर तगड़ा जुर्माना लगे और कड़ी सजा का प्रावधान हो। इस तरह के आधुनिक प्रयासों से ही इस कुप्रथा पर पूर्ण रूप से रोक लगाई जा सकेगी। क्योंकि किसी भी देश की प्रगति-विकास, उस देश के बाल विकास, स्वस्थ, शिक्षित और योग्य युवाओं के कंधों पर निर्भर होता है। सोचने वाली बात है कि जब बच्चों को अगर हम पहले ही बाल विवाह जैसे दंश में धकेल देंगे, तो वह कैसे अपना और दूसरा का जीवन सर्जन कर पाएगा। देश की तरक्की में योगदान तो दूर की बात है। बाल विवाह के दुष्परिणाम एक नहीं, अनेक हैं। इसलिए असम सरकार जैसे अभियान पूरे देश में चलने चाहिए।

बाल विवाह के विरुद्ध असम सरकार की कठोरतम कार्रवाई इस समय चर्चाओं में है वहां, बाल विवाह के आरोपियों पर पुलिस-प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्रवाई हो रही है। सरकार के इस कदम की प्रशंसा समूचा भारत कर रहा है। पक्ष-विपक्ष सभी समर्थन में है। इस अभियान ने सभी राज्यों को सचेत किया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

स्वच्छता अभियान से ही स्वास्थ्य रक्षा

अरुण कुमार कैहरबा

बच्चे किसी भी देश या समाज का भविष्य होते हैं। बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी देश की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होना चाहिए। लेकिन आंकड़ों को देखें तो बहुत से बच्चे एनीमिया का शिकार हैं। अभिभावक प्राय: शिकायत करते हैं कि उनका बच्चा बहुत कमजोर है। वह बहुत चिड़चिड़ा हो गया है और उसका पढ़ाई में मन नहीं लगता है। यह भी शिकायत रहती है कि बच्चे को खाया-पीया कुछ लगता नहीं है। कुछ बच्चे देखने में तो थुलथुल या मोटे हो सकते हैं, लेकिन उनमें खून की कमी पाई जाती है। बच्चों में एनीमिया या खून की कमी एक गंभीर समस्या है। शरीर में पोषक तत्वों की कमी रहती है। अन्य कारणों में इसका एक मुख्य कारण है- पेट के कीड़े, जिन्हें कृमि भी कहा जाता है। पेट के कीड़े परजीवी होते हैं, जो हमारे शरीर में रह कर शरीर से ही अपना पोषण पाते हैं। गोल कृमि (एस्केरिस), फीता कृमि, हुकवर्म, लिवेरफ्लूक, पिन कृमि, फाइलेरिया कृमि आदि सभी प्रकार के कृमि परजीवी हैं जो जीवों के शरीर में रह कर अपना पोषण करते हैं और फलस्वरूप बच्चों को बीमार कर देते हैं।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया की आबादी का 150 करोड़ से अधिक या कुल आबादी का करीब 24 फीसदी भाग कृमि संक्रमित है। इनमें 83 करोड़ से अधिक बच्चों को परजीवी कृमि संक्रमण का जोखिम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में 24 करोड़ से अधिक बच्चे परजीवी आंत्र कृमि से पीड़ित हैं। पेट में कृमि होने की अवस्था में बच्चे जो भी पोषाहार ग्रहण करते हैं, उसका फायदा बच्चों को नहीं मिल पाता है। पोषाहार का सारा रस कृमि चूसते रहते हैं और बच्चे के शरीर को कोई फायदा नहीं होता है। आंतों से चिपके भिन्न-भिन्न प्रकार के कीड़े खून भी चूसते रहते हैं, जिससे बच्चों में खून की कमी हो जाती है। उनका किसी भी काम में मन नहीं लगता है। पेट में कीड़े होने के कारणों पर नजर डालें तो अस्वच्छता इसका मुख्य कारण है। हमारे आसपास का अस्वच्छ वातावरण पेट में कीड़े जाने का मुख्य कारण है। अस्वच्छता के चलते कृमि हमारी त्वचा या खाने के जरिये पेट में जाते हैं। खुले में रखे खाने पर बैठी मक्खियां उसकी वाहक बनती हैं। गंदे बर्तनों और गंदे वातावरण में बना खाना खाने पर पेट में कृमि पैदा हो सकते हैं। खाना खाने से पहले हाथ नहीं धोना भी इसका मुख्य कारण बन सकता है। खुले में मल त्याग, भोजन से पहले हाथों का अच्छे से न धोया जाना, सब्जी

फलों को बिना धोये खाना, नंगे पैर चलना, दूषित जल पीना, भोजन को ढक कर न रखना आदि बहुत से कारण हैं जिस वजह से इन कृमियों के अंडे मानव शरीर में पहुंच जाते हैं। जीवों के मल के साथ इनके अंडे शरीर के बाहर आते हैं और फिर विभिन्न माध्यमों से अन्य लोगों के शरीर में पहुंच जाते हैं। कृमि से बचने के लिए स्वच्छता अपनाना सबसे जरूरी है। वातावरण की स्वच्छता और स्वच्छ पानी पीने से कृमि से बचा जा सकता है। बाजार में खुले में रेहड़ियों पर बिकने वाला जंक फूड भी बच्चों की खाने की आदतों को खराब कर रहा है। ऐसे सभी प्रकार के खुले में बिकने वाले खाने से परहेज करना चाहिए। कृमि मुक्ति के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 10 फरवरी को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जा रहा है। स्कूल अध्यापकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग 1-19 वर्ष तक के सभी बच्चों व किशोरों और 20 से 24 वर्ष की सभी महिलाओं, जो गर्भवती न हों और स्तनपान न करवा रही हों, को कृमि मुक्त करना चाहता है। कृमि मुक्ति दिवस पर इस लक्ष्य समूह को कृमिनाशक एलबेंडाजोल की गोली दी जाएगी। 10 फरवरी को जो बच्चे किसी कारण से रह जाएंगे, उन्हें मॉप अप अभियान के तहत 17 फरवरी को एलबेंडाजोल दी जायेगी। स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, एएनएम, एमपीएचडब्ल्यू और आशा वर्कर द्वारा अध्यापकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से चलाया जाने वाला यह अभियान तभी पूर्णत: सफल होगा, जब इसके बारे में जन-जन जागरूक होगा। अभिभावकों द्वारा बच्चों को भी दवा लेने के प्रति जागरूक किया जाएगा।

बचपन में तो स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों के स्कूल में आने पर ही टीके के डर से बच्चों की रूहें कांपने लगती थीं। बच्चों को टीके का डर सताने लगता था। आज भी चिकित्सकों द्वारा दी जाने वाली अत्यंत आवश्यक दवाई के बारे में बच्चों में कई तरह की आशंकाएं पाई जाती हैं। अध्यापकों द्वारा दी जाने वाली एलबेंडाजोल व कैल्शियम की बेहद महत्वपूर्ण गोलियों को भी कुछ बच्चों द्वारा फेंक दिया जाता है। अधिकतर राज्यों में कृमि मुक्ति अभियान दो बार चलाया जाता है। एलबेंडाजोल की टेबलेट से कुछ बच्चों के पेट में दर्द हो सकता है, तो इसका मतलब यही है कि उस बच्चे को इस दवा की सबसे ज्यादा जरूरत है।

शिखर सम्मेलनों के आयोजन की चुनौती

जी. पार्थसारथी

इस साल भारत की विदेश नीति के नियामक और राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान देश में शंघाई सहयोग संगठन और जी-20 गुट की शिखर वार्ता के आयोजन की वजह से काफी व्यस्त रहने वाले हैं। उन्हें बारीकी के साथ इन गुटों की शिखर वार्ता की तैयारी करनी पड़ेगी, जिसकी मेजबानी अगले महीनों में भारत करने जा रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन में उन देशों के नेता होंगे जिनका हिस्सा विश्व की जनसंख्या का दो-तिहाई है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था का 90 फीसदी और वैश्विक व्यापार में 80 प्रतिशत है। भारत के राजनयिक इतिहास में 2023 सबसे जटिल और व्यस्त साल होगा। यह वक्त देश की प्रबंधन और संगठनात्मक क्षमता की परीक्षा की घड़ी भी है। आगामी शिखर सम्मेलनों में हम दुनियाभर से कितने मुल्कों को साथ लाकर उच्चतम स्तर पर रचनात्मक और सामंजस्यपूर्ण सहयोग बना पाएंगे, यह भी हमारे कौशल और सामर्थ्य का इम्तिहान है। यह शिखर सम्मेलन अरुणाचल प्रदेश में चीन के साथ सैन्य तनातनी से बने तनाव वाले परिदृश्य के बीच होने जा रहे हैं।

चूंकि भारत के पास ऐसे अवसरों के आयोजन का रिवायती कौशल है, लिहाजा पूरी उम्मीद है कि दोनों शिखर सम्मेलन सामान्यत: निर्विघ्न पूरे होंगे। हालांकि कुछ बिंदु हैं, जिन्हें भारत को जहन में रखना होगा। भारत को सभी का पूर्ण समर्थन मिलेगा, चाहे यह जी-20 हो या क्वाड सदस्य। सनद रहे कि पाकिस्तान और चीन भी शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य हैं। फिलवक्त पाकिस्तान अपनी ढहती अर्थव्यवस्था को संभालने में व्यस्त है। उसको अफगानिस्तान से लेकर ईरान तक फैली 2600 किमी लंबी सीमा पर तालिबान शासित अफगानिस्तान द्वारा और तहरीक-ए-तालिबान ऑफ पाकिस्तान के घरेलू जिहादियों से भी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मध्य एशिया की राह में अफगानिस्तान की सामरिक भौगोलिक स्थिति और अकूत खनिज स्रोतों के कारण चीन नजर जमाए हुए है, इसीलिए कट्टरवादी इस्लामिक तालिबान सत्ता से राब्ता रखे हुए, जबकि ठीक इसी समय उसके अपने वीगर प्रांत में असंतुष्ट मुस्लिमों के साथ रिश्ते बहुत तनावपूर्ण हैं।

पाकिस्तान तो आगामी आम चुनाव में व्यस्त रहने के अलावा दरपेश अन्य समस्याओं में फंसा रहेगा। वहीं राष्ट्रपति शी जिनपिंग लगातार भारत के खिलाफ तेवर दिखा रहे हैं। चीन पाकिस्तान के साथ संयुक्त उपक्रम में बहुप्रचारित जेएफ-17 लड़ाकू विमान बनाने पर अपना ध्यान खास तौर पर केंद्रित किए हुए है और पाकिस्तानी नौसेना को भी मजबूत बना रहा है। बलूचिस्तान के ग्वादर बंदरगाह पर चीनियों की उपस्थिति बढ़ती जा रही है। किंतु पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था ढहने की कगार पर है, विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चला है। इसी बीच अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष विदेशी मदद का प्रवाह होने से पहले, पाकिस्तान से कड़ी शर्तें मानने पर जोर दे रहा है। यहां तक कि पाकिस्तान के सदा वित्तीय संकटमोचक रहे, दरियादिल मददगार सऊदी अरब और यूएई भी इस बार कह रहे हैं कि थैली का मुंह तभी खुलेगा जब पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा रखी शर्तों को पूरा करे। इसके अलावा, दुनियाभर में अनेक सरकारों का मत है कि जिस दलदल में आज पाकिस्तान फंसा हुआ है वह उसकी अपनी गलतियों और कोताहियों का नतीजा है।

भारत में यह भावना व्याप्त है कि चीन के साथ रिश्तों में मौजूदा तनाव ज्यादातर शी जिनपिंग सरकार के जानबूझकर किए जाने वाले कृत्यों से पैदा हुआ है। यह सब बावजूद इसके कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के कार्यकाल के आरंभ में भारत यात्रा के दौरान उनका दिली स्वागत किया गया था। इन परिस्थितियों के बीच, शंघाई इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के लियु जोनगई द्वारा भारत की नीतियों पर किए बृहद आकलन को जानना रोचक होगा। लियु दक्षिण एशियाई देशों के विषय में चीन के सबसे बड़े विशेषज्ञों में एक हैं। वे भारत और पाकिस्तान घूम चुके हैं। उनके हालिया लेख- जिसने हमारे पड़ोसी मुल्कों की बौद्धिक जमात का भी ध्यान खींचा है- से पता चलता है कि भारत और इसकी नीतियों को लेकर चीन की सोच क्या है, लियु ने बेबाकी से इसका जिक्र किया है। चीन के वरिष्ठ अध्ययनवेत्ता अपनी बारी आए बिना मुंह नहीं खोलते। उनके लेख सत्तासीन वामपंथी दल एवं सरकार की सोच जानने का आसान जरिया होते हैं।

लियु ने अपने अध्ययन में भारत की 'उभरती बड़ी ताकत' नीति को बहुमुखी बताया है। भारत के घरेलू राजनीतिक मामलों पर यह लेख हिंदू राष्ट्रवादिता के उद्भव पर केंद्रित रहा। आर्थिक विषय पर, उन्होंने भारत की मेक-इन-इंडिया नीति को वैश्विक आपूर्ति शृंखला में चीन की जगह हथियाने का प्रयास बताया है। लियु के अनुसार, हिंद महासागर में अड्डे बनाना, भारतीय सैन्य बलों में एकीकरण को बढ़ावा और अंडमान-निकोबार द्वीपों सहित अंतर्राष्ट्रीय सीमांत क्षेत्र में बुनियादी ढांचा सुधारना, यह सब चीन को निशाना बनाकर किया जा रहा है। इसमें हिंद महासागर के छोटे टापुओं पर भारत द्वारा सैन्य अड्डों का निर्माण भी शामिल है। अपने निष्कर्ष में लियु कहते हैं 'इसलिए, भारत और चीन के बीच रार का सबसे बड़ा कारण सीमा संबंधी विवाद अब और अधिक नहीं रहा। तथ्य तो यह है कि सीमा का मुद्दा अब यंत्रवत प्रक्रिया बन चुका है। भारत के लिए, चीन के साथ सबसे बड़ा मसला अब क्षेत्रीय और वैश्विक व्यवस्था बनाने की होड़ में हाथ ऊपर रखने का है। यह लड़ाई भू-राजनीतिक है।

त्वचा में आता है निखार

गुनगुना पानी पीने से त्वचा में निखार आता है। शरीर में अधिक विषाक्त पदार्थ होते हैं, तो इससे त्वचा पर दाग धब्बे हो जाते हैं। त्वचा मुरझा जाती है और चमक चली जाती है। पानी तो त्वचा में निखार लाने में मददगार होती ही है। रोज सुबह उठकर एक गिलास पानी पीने से दाग-धब्बे से भी मुक्ति मिलती है। पीरियड के दौरान पूरे दिन गर्म पानी पीना बहुत ही फायदेमंद होता है, क्योंकि यह मासिक धर्म के दौरान होने वाली ऐंठन को कम कर सकता है। इस दौरान गर्म पानी का सेवन करने से पेट की मांसपेशियों को शांत करने में सहायक होता है। इस तरह से दिन भर गर्म पानी का सेवन करके मासिक धर्म चक्र की ऐंठन और दर्द को कम किया जा सकता है। कहते हैं कि यदि आपको पीरियड्स के दिनों में सिरदर्द की शिकायत रहती है तो गर्म पानी का सेवन करना आपके लिए लाभदायी होता है।

पाचन तंत्र रहता है सही, वजन कम करने में सहायक

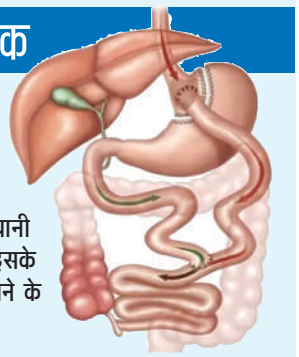

खाली पेट एक गिलास गुनगुना पानी पीने से आपका पाचन तंत्र सही रहता है। रोजाना सुबह सुबह पानी पीने की आदत होने से गैस की समस्या और पेट फूलने की समस्या से राहत मिलती है। शरीर से विषाक्त पदार्थ भी बाहर निकल जाते हैं। पूरे दिन गर्म पानी का सेवन आपके चयापचय को बढ़ावा देता है। यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो अपने दैनिक जीवन में गर्म पानी को स्थान दें। वजन कम करने के लिए गर्म पानी पीना एक अच्छा तरीका है। इसके लिए आप दिन भर गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। इस तरह से गर्म पानी पीने के लाभ वजन को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

खाली पेट पीएं गुनगुना पानी

कई समस्याओं से मिलता है छुटकारा

सेहत के लिए पानी फायदेमंद होता है। हमारे शरीर के कुल वजन में 60 फीसदी पानी का होता है। शरीर को जितना पोषण तत्वों की जरूरत होती है, उससे ज्यादा पानी की होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक,एक व्यक्ति को रोजाना आठ से 10 गिलास पानी पीना चाहए। वहीं पानी पीने का तरीका और सही समय कई तरह की बीमारियों को भी दूर रखता है। अक्सर लोग ठंडा पानी पीना पसंद करते हैं, हालांकि कुछ लोग गुनगुना पानी पीते हैं। लेकिन अगर आप सुबह-सुबह खाली पेट गर्म पानी पीते हैं तो ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इससे शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। सुबह गर्म पानी पीने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। ऐसे में आपको खाली पेट पानी पीने की आदत डालनी चाहिए।

बढ़ती है भूख

स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मुताबिक, खाली पेट गर्म पानी पीने से भूख भी बढ़ती है। इससे सुबह का नाश्ता करने में आपको परेशानी नहीं होती और भरपूर नाश्ता करने के कारण शरीर में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। थकान भी नहीं लगती।

कम करता है तनाव

चिंता और तनाव आदि को दूर करने के लिए दिन भर गर्म पानी का सेवन। अध्ययनों से पता चलता है कि गर्म तरल पदार्थ जैसे कि चाय, कॉफी आदि तनाव को कम करने में प्रभावी होती है। इस तरह से यदि आप तनाव ग्रस्त हैं तो इस दौरान गर्म पानी या गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें। लोगों की मनोदशा को सुधारने में तरल पदार्थ की गर्मी का विशेष योगदान होता है।

रक्त परिसंचरण में सहायक

अच्छी तरह से रक्त परिसंचरण होना हमारे शरीर में बहुत जरूरी होता है, जो लोग दिन भर गर्म पानी पीते हैं उन्हें रक्त परिसंचरण संबंधी समस्याएं होने की संभावना कम होती है। इसके अलावा गर्म पानी से स्नान भी आपके संचार अंगों जैसे धमनियों और शिराओं को आराम दिलाता है। जिससे वे उचित रक्त प्रवाह बना रहता है। स्वस्थ्य रक्त प्रवाह आपके रक्तचाप से लेकर हृदय रोगों के खतरे को कम कर सकता है। आप भी अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए पूरे दिन गर्म पानी का सेवन कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सिर दर्द से राहत

अगर आपको सिर दर्द की समस्या है तो रोजाना सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीने की आदत डालें। दरअसल, शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी न होने से सिर दर्द होता है। इसलिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और रोज सुबह एक गिलास पानी के साथ दिन की शुरुआत करें।

हंसना मना है

सरदार ट्रेन में सुसू करने गया, वाईफ: आपका पैंट गिला कैसे हुआ? सरदार: वहां लिखा था, कृपया शरीर का कोई अंग बाहर ना निकाले।

बेटा: पापा आप रात को मम्मी के साथ क्यूं सोते हो? पापा: बेटा इससे आपस में प्यार बढ़ता हे, बेटा: पापा उल्लू मत बनाओ, साथ सोने से प्यार नहीं परिवार बढ़ता है।

2 दोस्त सालों के बाद मिले, पता चला दोनों कि शादी हो गयी, पहला दोस्त: कैसी है तुम्हारी वाईफ? दूसरा दोस्त: स्वर्ग की अप्सरा है, और तेरी? पहला दोस्त: मेरी तो अभी जिंदा है!

टीचर: इतने दिन से कहा थें? लड़का: बर्ड फ्लू हुआ था, टीचर: पर ये तो बर्ड्स को होता है? लड़का: आपने मुझे इंसान समझा ही कहां है, रोज तो मुर्गा बना देती हो।

एक बार भगवान् ने एक आदमी से सवाल किया तेरी इच्छा क्या है, आदमी बोला प्लीज मुझे मेरे कॉलेज के दिन वापस दे दो। भगवान हसने लगे और कहा, मन्नत मांगने को कहा था जन्नत नहीं!

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

कहानी — भूखी चिड़िया

सालों पहले एक घंटाघर में टींकू चिड़िया अपने माता-पिता और 5 भाइयों के साथ रहती थी। टींकू चिड़िया छोटी सी थी। उसके पंख मुलायम थे। उसकी मां ने उसे घंटाघर की ताल पर चहकना सिखाया था। घंटाघर के पास ही एक घर था, जिसमें पक्षियों से प्यार करने वाली एक महिला रहती थी। वह टींकू चिड़िया और उसके परिवार के लिए रोज रोटी का टुकड़ा डालती थी। एक दिन वह बीमार पड़ गई और उसकी मौत हो गई। टींकू चिड़िया और उसका पूरा परिवार उस औरत के खाने पर निर्भर था। एक दिन भूख से बेहाल होने पर टींकू चिड़िया के पिता ने कीड़ों का शिकार करने का फैसला किया। काफी मेहनत करने के बाद उन्हें 3 कीड़े मिले, जो परिवार के लिए काफी नहीं थे। वे 8 लोग थे, इसलिए उन्होंने टींकू और उसके 2 छोटे भाइयों को खिलाने के लिए कीड़े साइड में रख दिए। इधर, खाने की तलाश में भटक रही टींकू, उसके भाई और उसकी मां ने एक घर की खिड़की में चोंच मारी, ताकि कुछ मिल जाए, लेकिन कुछ नहीं मिला। उल्टा घर के मालिक ने उनपर राख फेंक दी, जिससे तीनों भूरे रंग के हो गए। उधर, काफी तलाश करने के बाद टींकू के पिता को एक ऐसी जगह मिली, जहां काफी संख्या में कीड़े थे। उनके कई दिनों के खाने का इंतजाम हो चुका था। वह जब खुशी-खुशी घर पहुंचा, तो वहां कोई नहीं मिला। वह परेशान हो गया। तभी टींकू चिड़िया, उसका भाई और मां वापस लौटे, तो पिता उन्हें पहचान नहीं पाए और गुस्से में उन्होंने सबको भगा दिया। टींकू ने पिता को समझाने की काफी कोशिश की। उसने बार-बार बताया कि किसी ने उनके ऊपर रंग फेंका है, लेकिन टींकू के हाथ असफलता ही लगी। उसकी मां और भाई भी निराश हो गए, लेकिन टींकू ने हार नहीं मानी। वह उन्हें लेकर तालाब के पास गई और नहलाकर सबकी राख हटा दी। तीनों अब अपने पुराने रूप में आ गए। अब टींकू के पिता ने भी उन्हें पहचान लिया और माफी मांगी। अब सब मिलकर खुशी-खुशी एक साथ रहने लगे। उनके पास खाने की भी कमी नहीं थी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। कारोबारी आज बिजनेस के मामलों में अपनों से सलाह लेकर काम करेंगे तो फायदा जरूर होगा। छात्रों का आज पढ़ाई में मन लगेगा।

वृषभ आज आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से भरपूर प्रतिकूलता का अनुभव करेंगे। मन में उत्साह का संचार होगा, जिस वजह से दिनभर का समय आनंदपूर्वक बीतेगा।

मिथुन बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा। घरेलू जिंदगी सुकूनभरी और खुशनुमा रहेगी।

कर्क आज अपने जीवन की किसी बड़ी समस्या को सुलझाने की हर संभव कोशिश करेंगे। इसमें आपको परिवार का सहयोग मिलेगा। आज आप खुद को ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे।

सिंह आज आपके लिए आय के नए स्त्रोत बनेंगे। आपकी व्यवसायिक स्थिति में सुधार होगा। आप एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे।

कन्या शरीर के किसी अंग में दर्द होने की संभावना है। किसी भी ऐसे काम से बचें, जिसमें ज्यादा शारीरिक मेहनत की जरूरत हो। पर्याप्त आराम भी करें।

तुला आज कहीं से अचानक धन लाभ का अवसर मिल सकता है। नया वाहन खरीदने के लिये दिन शुभ है। अगर आप नौकरी में हैं तो आज इनकम में बढ़ोत्तरी की सम्भावना बन रही है।

वृश्चिक आज पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन कोई बड़ी गुड न्यूज लाएगा।

धनु असुविधा आपकी मानसिक शान्ति को खराब कर सकती है। संदिग्ध लेन-देन में फंसने से सावधान रहें। आपकी पारिवारिक सदस्यों से बेवजह वादविवाद हो सकता है।

मकर आज आपका मनोबल ऊंचा रहेगा। इस राशि के लोगों को आज कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी सफलता मिलने वाली है। आज आपका विदेश में जाकर नौकरी का सपना पूरा होगा।

कुम्भ आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। आत्मविश्वास बढ़ सकता है। दिमाग में कई तरह की बातें भी रहेंगी। कुछ कर दिखाने की इच्छा तेज हो सकती है।

मीन अपने खराब मूड को शादीशुदा जिंदगी में तनाव का कारण न बनने दें। इससे बचने की कोशिश करें, नहीं तो बाद में पछताना पड़ेगा। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें।

बॉलीवुड | मन की बात

स्ट्रगल के दिनों में गंगा में कूदकर की थी आत्महत्या की कोशिश : कैलाश खेर

हाल ही में सिंगर कैलाश खेर ने अपने स्ट्रगल के दिनों को याद करते हुए बताया कि एक वक्त ऐसा भी था जब उन्होंने जिंदगी से हार मानने का फैसला कर लिया था। सिंगर कैलाश खेर ने बताया कि उनकी सफलता की राह आसान नहीं रही है। उन्होंने अपने जीवन के उस बुरे दौर के बारे में भी बताया जब उन्होंने आत्महत्या करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, मैंने जीवित रहने के लिए कई अजीब काम किए थे। मैं 20 या 21 साल का था जब मैंने दिल्ली में निर्यात कारोबार करना शुरू किया। मैं जर्मनी में हस्तशिल्प भेजता था। दुर्भाग्य से, अचानक वह व्यवसाय चौपट हो गया। व्यवसाय में कई समस्याओं का सामना करने के बाद, मैं पंडित बनने के लिए ऋषिकेश चला गया। हालांकि, मुझे लगता था कि मैं वहां एक अनुपयुक्त था क्योंकि मेरे साथी मुझसे छोटे थे और मेरे विचार कभी भी उनसे मेल नहीं खाते थे। मैं निराश था क्योंकि मैं हर चीज में असफल हो रहा था। इसलिए एक दिन मैंने गंगा नदी में कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की। कैलाश ने याद किया, लेकिन घाट पर एक व्यक्ति ने तुरंत गंगा में छलांग लगा दी और मुझे बचा लिया। उन्होंने पूछा, तैरना नहीं आता गया क्यों था? मैंने जवाब दिया, मरने के लिए...और मेरी आत्महत्या की बात जानने के बाद उन्हें तेज का टपली (थप्पड़) मारा। उस टपली ने निश्चित रूप से उन्हें जीवन का मूल्य सीखा क्योंकि उस दिन से उनका करियर धीरे-धीरे आगे बढ़ा। 20 साल से अधिक के करियर में, कैलाश खेर ने तेरी दीवानी, सइयां, चांद सिफ़रिश, युही चला चल राही, या रब्बा और अर्जियां जैसे हिट ट्रैक गए हैं।

उम्मीद के मुताबिक शमिता को इंडस्ट्री में नहीं मिला काम

अपनी अपकमिंग फिल्म द टेनेंट की रिलीज से पहले एक्ट्रेस का छलका दर्द

शमिता शेट्टी ने 'मोहब्बतें' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म सुपर-डुपर हिट रही थी। एक्ट्रेस को मोहब्बतें के लिए स्टार डेब्यू ऑफ द ईयर (फीमेल) IIFA अवार्ड भी मिला था। शमिता के करियर की शुरुआत शानदार रही थी उन्होंने कुछ फिल्में भी की लेकिन शमिता का करियर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में ज्यादा नहीं चल पाया। फिलहाल एक्ट्रेस अपनी अपकमिंग फिल्म 'द टेनेंट' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में शमिता ने एक इंटरव्यू के दौरान बॉलीवुड में अपने शुरुआती वर्षों के बारे में बात की।

'द टेनेंट' की रिलीज से पहले शमिता ने इंडस्ट्री में अपने स्ट्रगल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, बेस्ट के साथ शुरुआत करना और फिर अचानक इस गिरावट को देखना। मैंने यशराज फिल्म्स से शुरुआत की। उसके बाद जो लाइफ में मेरे साथ हुआ, या यूं कहें कि उसके बाद मेरे पास जो काम आया वह मेरी उम्मीदों के मुताबिक नहीं था। लेकिन फिर यह कहते हुए कि जब मैंने 'मोहब्बतें' में डेब्यू किया तो मुझे नहीं लगता था कि मुझे एहसास हुआ कि मुझे परफॉर्म करना कितना पसंद है। मुझे लगता है कि मेरे साथ ऐसा तब हुआ जब मैं 'ज़हर' की शूटिंग कर रही थी। इसके बाद मुझे काम करने की और इच्छा होने लगी। मैं और सर्च करना चाहती थी। शमिता ने आगे कहा, दुर्भाग्य से इंडस्ट्री मुझे ज्यादा काम नहीं दे रही थी। इसलिए जैसा कि मैंने कहा चीजें वैसी नहीं चलीं जैसी मैं चाहती था। तब मेरे पास हमेशा 2-3 साल का लंबा गैप या मेरी रिलीज के बीच 4 साल का अंतर था। और जब भी मेरी कोई रिलीज होती तो लोग कहते ओह इट्स योर कमबैक। लेकिन, मैं वास्तव में चाहती थी कि और ज्यादा काम हो। मैं उम्मीद कर रही हूं कि 'द टेनेंट' के साथ इंडस्ट्री मुझमें टैलेंट की कुछ झलक देखे और मुझे कुछ काम देने का फैसला करे, जो मेरे लिए अच्छा हो और मुझे लगता है कि यह मेरी टैलेंट की वर्थ है।

13 साल बाद पर्दे पर वापस लौटीं शर्मिला टैगोर

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर जल्द ही अपना ओटीटी डेब्यू करेंगी। 13 साल बाद शर्मिला पर्दे पर एक्टिंग करेंगी। उनकी फिल्म डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होगी। शर्मिला टैगोर की पहली ओटीटी फिल्म होगी। उनकी फिल्म गुलमोहर 3 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

क्या है गुलमोहर की कहानी

राहुल चित्तेला और अर्पिता मुखर्जी ने मिलकर फिल्म की कहानी लिखी है। शर्मिला के साथ फिल्म में मनोज और अमोल पालेकर लीड रोल में है। गुलमोहर फिल्म एक फैमिली ड्रामा है।

शर्मिला टैगोर 13 साल बाद एक्टिंग करियर में कमबैक किया है। शर्मिला ने अपने करियर में कई हिट फिल्में की है। उन्होंने सत्यजीत रे की फिल्म आपुर संसार से अपना डेब्यू किया था। उनके करियर की पहली हिट फिल्म कश्मीर की कली थी।

शर्मिला टैगोर के ओटीटी डेब्यू पर सोहा अली खान और सबा अली खान ने खुशी जाहिर की है। पोस्टर शेयर करते हुए सोहा ने लिखा- मैं बहुत ही एक्साइटेड हूं। टैगोर आखिरी बार 2010 की फिल्म ब्रेक के बाद नजर आई थी। फिल्म में वह दीपिका पादुकोण की मां के किरदार में नजर आई थीं।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | इस किलर को मिली थी रूह कंपा देने वाली सजा

इस सीरियल किलर ने की थी 100 बच्चों की हत्या

पाकिस्तान में एक ऐसा सीरियल किलर था, जिसे सबसे क्रूर और सबसे खतरनाक माना जाता है। इस सीरियल किलर ने 100 बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस हत्यारे के नाम से पूरी दुनिया कांपती है, इसका नाम जावेद इकबाल है। जावेद इकबाल ने पाकिस्तान में 100 बच्चों को मौत के घाट उतार दिया था। हैरानी वाली बात यह थी कि उसने 100 से ना एक कम और ना ही एक ज्यादा बच्चे को मारा। इन मासूम बच्चों को मारने के बाद इस व्यक्ति ने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया।

दिसंबर 1999 में, लाहौर के एक उर्दू अखबार के संपादक को एक पत्र मिला जिसमें लिखा था,फ़मेरा नाम जावेद इकबाल है और मैंने 100 बच्चों की हत्या की है और उनके शरीर को तेजाब से गला घोंट दिया है। उसने पत्र में यह भी बताया था कि उसने जिन बच्चों की हत्या की, उनमें से ज्यादातर अनाथ थे। उसने लाहौर पुलिस को भी इसी तरह का एक पत्र भेजा था, जिसमें उसने अपना अपराध कबूल कर लिया था और उसने उस जगह के बारे में भी बताया था जहां उसने बेगुनाह बच्चों को मौत के घाट उतारा था। हालांकि पुलिस ने इस व्यक्ति के पत्र को गंभीरता ने नहीं लिया था लेकिन उस अखबार के संपादक ने लिया और उन्होंने अपने एक रिपोर्टर को उस बताए पते पर भेजा था। जब पत्रकार वहां गया, तो घर के अंदर खून के निशान थे, दो बड़े बैग में बच्चों के जूते और कपड़े भरे हुए थे, इतना ही नहीं वहां पर एक डा?री भी थी जिसमें बच्चों के नाम और उनके बारे में जानकारी लिखी हुई थी। वहीं घर के बाहर भी हाइड्रोक्लोरिक एसिड से भरे दो कंटेनर थे, जिसमें बच्चों की हड्डियों को रखा गया था। यह सब देखने के बाद पत्रकार तुरंत अपने कार्यालय पहुंचा और उसने संपादक को सारी बातें बताई। इसके बाद, पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम जावेद इकबाल के ठिकाने पर पहुंची, जहां उसने हत्या के सभी सबूत बरामद किए। इसके अलावा, पुलिस को एक नोटबुक भी मिली, जिसमें से चिट्ठी में लिखी सारी बातें लिखी हुई थीं और यह भी लिखा था कि हत्या के सबूत के तौर पर मैंने कुछ लाशें छोड़ी थीं, जो मुझे नहीं मिलीं। उन्होंने नोटबुक में लिखा कि मैं रावी नदी में कूदकर आत्महत्या करने जा रहा हूं। इसके बाद पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया और रावी नदी के कोने की तलाशी ली, लेकिन जावेद का शव कहीं नहीं मिला। यह पाकिस्तान के इतिहास में सबसे बड़ा खोज अभियान था। इस मामले की जांच के दौरान, पुलिस ने जावेद के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया और उनसे पूछताछ शुरू की लेकिन पूछताछ के दौरान, उनमें से एक ने छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। इसी दौरान जावेद उसी उर्दू अखबार के कार्यालय में पहुंचा, जहाँ उसने पहले पत्र भेजा था। जावेद ने संपादक से मुलाकात की और एक इंटरव्यू के लिए कहा और इंटरव्यू खत्म होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने जब जावेद से पूछताछ की तो उसने जो कहा उसे सुनकर सभी हैरान रह गए। पुलिस पूछताछ के दौरान जावेद ने बताया कि जब वह 20 साल का था, तो उसे बलात्कार के आरोप के बाद जेल भेज दिया गया था, लेकिन उसने वह अपराध नहीं किया था और उसे एक साजिश के तहत फंसाया गया था। इस दौरान उनकी माँ हमेशा जेल में उनसे मिलने जाया करती थीं, लेकिन एक दिन बेटे की रिहाई के इंतज़ार में उनकी माँ की मृत्यु हो गई, जिसके बाद उन्होंने कसम खाई कि जैसे उनकी माँ ने रोते हुए अपनी जान गंवा दी, वैसे ही 100 माएं रोएंगी। इसके बाद उसे मारने का सिलसिला शुरू किया। जावेद को अक्टूबर 2001 में फांसी की सजा हुई।

हालांकि, पहले जावेद को ऐसी सजा मिली थी कि उसके बारे में सुनकर लोगों की रूह कांप जाए। जज ने जावेद को 100 बच्चों के मारने के जुर्म में 100 बार गला घोटकर मारने फिर उसके शरीर के 100 छोटे-छोटे टुकड़े करने उसे एसिड में जला देने की बात कही थी। लेकिन दुनिया भर के कई मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध किया जिसके बाद जावेद को फांसी की सजा मिली थी।

अमेरिका ने मात्र 45 करोड़ रुपये में खरीद लिया था ये राज्य

अलास्का अमेरिका का 49वां राज्य है। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि अलास्का हमेशा से अमेरिका का हिस्सा नहीं था, बल्कि पहले ये रूस का हिस्सा था। लेकिन बर्फीला और रूस से दूर होने की वजह से रूस ने इसे अमेरिका को बेच दिया था। बात 30 मार्च 1867 की है। तब रसियन साम्राज्य से अलास्का को अमेरिका को बेच दिया था। जिसके बदले रूस के राजा ने अमेरिका से 45 करोड़ 41 लाख रुपये लिए थे। उसके बाद साल 1959 में अमेरिका ने अलास्का को अपना 49वां राज्य घोषित कर दिया। अमेरिका का कब्जा होने की वजह से ही द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापानी सेना ने अलास्का पर भी हमला किया था। बताया जाता है कि पर्ल हार्बर से ज्यादा अलास्का में अमेरिकी लोगों की मौत हुई थी। अलास्का अमेरिका के 50 राज्यों में सबसे बड़ा राज्य है। अलास्का के पूर्व में कनाडा, उत्तर में आर्कटिक महासागर, दक्षिण-पश्चिम में प्रशांत महासागर और पश्चिम में रूस स्थित है। इस राज्य का नाम अलास्का रूसी साम्राज्य के समय से ही इस्तेमाल होता आ रहा है, अमेरिका ने इसे खरीदने के बाद भी इसका नाम नहीं बदला। अलास्का का मुख्य भूमि या महान भूमि होता है। अलास्का में स्थित है जोनउ आइस फील्ड को दुनिया का सातवां सबसे बड़ा हिम इलाका माना जाता है। अलास्का का झंडा एक 13 साल के लड़के ने डिजाइन किया था, जिसका नाम बेनी बेनसन्स है। इसके लिए साल 1927 में एक प्रतियोगिता कराई गई थी, जिसमें बेनी विजेता बने थे और उन्हें पुरस्कार स्वरूप 1,000 डॉलर वर्तमान में करीब 76 हजार रुपये की स्कॉलरशिप दी गई थी। अलास्का को रूस के जार अलेक्जेंडर द्वितीय ने बेचा था। हालांकि अलास्का की जनता इस सौदे के खिलाफ थी, लेकिन उनकी बातों का अनसुना कर दिया गया था। उन्हें अमेरिका का अपना देश मानने में काफी वक्त लगा। बता दें कि अलास्का में हर साल करीब 5,000 भूकंप आते हैं। अलास्का का झंडा एक 13 साल के लड़के ने डिजाइन किया था, जिसका नाम बेनी बेनसन्स है। इसके लिए साल 1927 में एक प्रतियोगिता कराई गई थी, जिसमें बेनी विजेता बने थे और उन्हें पुरस्कार स्वरूप 1,000 डॉलर वर्तमान में करीब 76 हजार रुपये की स्कॉलरशिप दी गई थी। अलास्का को रूस के जार अलेक्जेंडर द्वितीय ने बेचा था। हालांकि अलास्का की जनता इस सौदे के खिलाफ थी, लेकिन उनकी बातों का अनसुना कर दिया गया था। उन्हें अमेरिका का अपना देश मानने में काफी वक्त लगा। बता दें कि अलास्का में हर साल करीब 5,000 भूकंप आते हैं।

मैंने ब्राह्मण नहीं, पंडित कहा था : मोहन भागवत

» संत रविदास जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कहा था कि जाति भगवान ने नहीं बल्कि पंडितों ने बनाई जो गलत है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भागलपुर। मोहन भागवत ने अपने ब्राह्मणों पर दिए अपने बयान को स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि मैंने कभी ब्राह्मण शब्द नहीं कहा। मैंने पंडित कहा था वो किसी भी जाति का हो सकता है। पंडित उसे कहते हैं जो बुद्धिमान है। भागलपुर में स्वयंसेवकों से बातचीत में मोहन भागवत ने ये बातें कही। इस दौरान उन्होंने नसीहत दी कि विवाद से जुड़े मसलों पर अनावश्यक चर्चा करने के बजाय राष्ट्र निर्माण को लेकर बातें करें। यह ज्यादा बेहतर होगा।

देशभर में रामचरितमानस की एक चौपाई को लेकर छिड़े विवाद के बीच मोहन भागवत ने बयान दिया था। रविवार को मुंबई में संत रविदास जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि जाति भगवान ने नहीं बनाई है, जाति

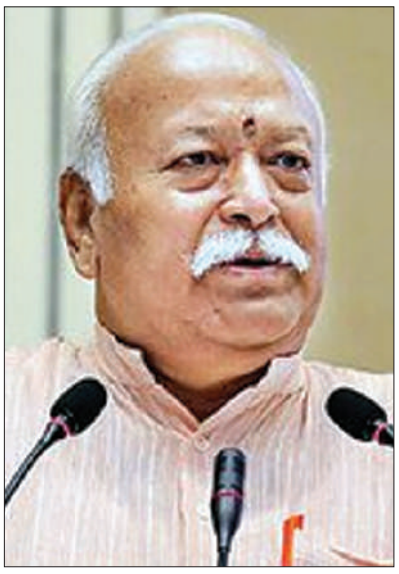

पंडितों ने बनाई जो गलत है।

भगवान के लिए हम सभी एक हैं। हमारे समाज को बांटकर पहले देश में आक्रमण हुए, फिर बाहर से आए लोगों ने इसका फायदा उठाया। हमारे समाज को बांटकर लोगों ने हमेशा से फायदा उठाया है।

सालों पहले देश में आक्रमण हुए, फिर बाहर से आए लोगों ने हमें बांटकर फायदा उठाया। नहीं तो हमारी ओर नजर उठाकर देखने की भी किसी में हिम्मत नहीं थी। इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं। जब समाज में अपनापन खत्म होता है तो स्वार्थ अपने आप बड़ा हो जाता है। मोहन भागवत ने कहा कि केवल काम नहीं, बल्कि अपने काम का उदाहरण भी पेश करते रहिए। हिंदू समाज इकट्ठा होकर रहे और हर मंडल में समय-समय पर आना-जाना करते रहें, ताकि शाखाओं की संख्या भी निरंतर बढ़ती रहे।

संघ प्रमुख मोहन भागवत भागलपुर के महर्षि मेंहीं आश्रम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्वयंसेवक को साफ संदेश दिया है कि वे समाज से जुड़े रहें। मिलने-जुलने का कार्यक्रम भी करते रहें। समाज के हर वर्ग के लोगों तक अपना संदेश देते रहें। शाखा के माध्यम से नए स्वयंसेवक तैयार करें और शाखाओं की संख्या भी बढ़ाएं।

प्रियंका ने जमा कराई महिला ऑटो चालक की बेटी की फीस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने गोरखपुर की महिला ऑटो चालक कुंती देवी की बेटी मोनी पटेल के स्कूल की फीस जमा करवाई। ''लड़की हूं लड़ सकती हूं'' अभियान के दौरान गोरखपुर में कुंती देवी ने प्रियंका गांधी को गरीबी की वजह से बेटी की पढ़ाई छूटने के बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद प्रियंका गांधी ने उसकी बेटी की पढ़ाई का जिम्मेदारी ले ली थी। अक्टूबर 2021 में प्रियंका गांधी चुनावी मुहिम लड़की हूं लड़ सकती हूं के तहत गोरखपुर पहुंची थी। इस दौरान उन्होंने कुंती देवी से मुलाकात की थी।

कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव ने पढ़ाई की ली थी जिम्मेदारी

दरअसल इसके पहले सलमान खुर्शीद कांग्रेस के घोषणापत्र संवाद के दौरान गोरखपुर में ऑटो चालक कुंती देवी के ऑटो में बैठे थे और उनसे बातचीत की थी। इस दौरान कुंती देवी ने गरीबी की वजह से बेटी की पढ़ाई छूटने की जानकारी दी थी। इसके बाद सलमान खुर्शीद ने इसकी जानकारी प्रियंका गांधी को दी थी।

इसके बाद प्रियंका गांधी ने चुनावी सभा के दौरान गोरखपुर में कुंती देवी से मुलाकात की और पढ़ाई का सारा जिम्मा ले लिया। इसी क्रम में शुक्रवार को कुंती देवी की बेटी प्रियंका पटेल की दूसरे साल की फीस (9600 रुपये) जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान के माध्यम से सरस्वती गुलाब इंटर कॉलेज में जमा कराई।

सीएम नीतीश आज करेंगे विकास कार्यों की समीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित समीक्षा भवन में सीएम योजनाओं की समीक्षा को लेकर विभाग के अधिकारियों संग बैठक भी करेंगे। दूसरी ओर भोलानाथ पुल फ्लाईओवर इशाकचक पहुंच पथ संघर्ष समिति से जुड़े लोग पहुंच पथ की समस्या से जुड़ा मुद्दा सीएम तक ले जाने की कोशिश करेंगे। पहुंच पथ को लेकर पुल निर्माण निगम ने तैयारी की है। पुल निगम ने एक फाइल तैयार की है जिसमें फोटो सहित पहुंच पथ बनाने की समस्या और उसके विकल्प के बारे में तैयारी की गई है।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष नारायण मालाकार ने बताया कि पहले फ्लाईओवर पर इशाकचक पहुंच पथ बनना था जिसे बाद में हटा दिया गया है। बता दें कि भोलानाथ पुल के निर्माण में स्टील ट्रस

का दक्षिणी हिस्सा इशाकचक पथ के बीच में आएगा। जिसके कारण दस मीटर चौड़ाई में भू-अर्जन करना होगा। जिसमें 35 करोड़ तक खर्च आने की संभावना है। इसी के साथ 18 भवनों को तोड़ना पड़ेगा, जिनमें बहु मंजिला इमारतें भी शामिल हैं। अप्रोच रोड के निर्माण में 55 करोड़ का खर्च आयेगा।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन की मौत

» एक की हालत बताई जा रही है नाजुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में तेज रफ्तार ट्रक का कहर देखने को मिला है। यहां इटावा-आगरा हाईवे पर बेकाबू ट्रक ने बाइक सवारों को कुचल दिया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। दर्दनाक हादसे के बाद घटनास्थल पर जुटी भीड़ ने इलाकाई पुलिस को सूचना दी।

मिली जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन इलाके में बुडैला गांव के पास हादसा हुआ है। यहां बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार चार लोगों को कुचल दिया। इसमें महिला और बच्चे समेत तीन की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को इलाज के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय संयुक्त चिकित्सालय भेजा है। यहां चिकित्सकों ने तीन को मृत घोषित कर दिया।

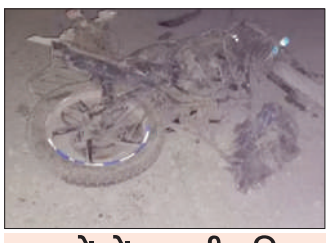

मृतकों में एक ही परिवार के लोग शामिल

इस हादसे के मृतकों में पति अनिल, पत्नी शिवरानी और बच्चा शामिल हैं। वहीं, बहन सुमन की हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, ये सभी लोग इटावा से अपने घर लौट रहे थे, जिसके रास्ते में हादसा हो गया।

वहीं, एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटनास्थल पर कई थानों का फोर्स मौजूद है।

सड़क हादसे का शिकार हुए दो मौसेरे भाई

सुलतानपुर। देर रात सड़क हादसे में दो मौसेरे भाइयों की मौत हो गई। इसमें से एक युवक की शादी 28 फरवरी को थी। वह अपनी शादी का कार्ड बांटकर घर लौट रहा था। वहीं, दो लोगों अन्य युवकों की हालत गंभीर है। चारों देर रात घर लौट रहे थे, तभी इनकी बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। हादसा बलिया-लखनऊ राजमार्ग पर दियरा चौराहे के पास हुआ है। करौंदिया मोहल्ला निवासी सोनू सोनकर व उसके मौसी के बेटे सनी की मौत हुई है। सोनू की शादी आगामी 28 फरवरी को होनी थी। कल वह अपने मौसेरे भाई सनी व दो पड़ोसियों अर्जुन व महेश के साथ शादी का कार्ड बांटने निकला था। अर्जुन व महेश एक बाइक पर थे। सनी व सोनू दूसरी बाइक पर थे। घर लौटते समय हादसा हो गया। एक ही परिवार के दो लोगों की मौत से परिवार में मातम छाया है।

अनियंत्रित ट्रक ने खुशियों को मातम में बदला

» घोड़ा बुग्गी सवारों को कुचला, तीन लोगों की गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। देर रात खरदौनी गांव में दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। इसे अलावा एक घोड़े की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया है। वहीं हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने जाम लगा दिया। हालांकि बाद में अधिकारियों के आश्वासन पर जाम खोल दिया।

जानकारी के अनुसार, लावड़-मसूरी मार्ग पर महल खरदौनी गांव में देर रात डस्ट से भरे एक ट्रक ने घोड़ा बुग्गी सवारों को कुचल दिया। मौके पर तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि, हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में दो सगे भाई थे। हादसे की जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर

पहुंचे और जाम लगा दिया।

सूचना मिलने पर कई थानों की पुलिस और एसपी देहात मौके पर पहुंचे। लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लावड़ के रहने वाले सीताराम (45) पुत्र शेर सिंह शादी में घोड़ा बग्गी चलाने का काम करता था। शुक्रवार को वह लावड़ निवासी तौफीक, अहजाद पुत्र नवाब, मोहित पुत्र शीशपाल, नवेद पुत्र लियाकत, रवि पुत्र महेश को साथ लेकर किला परीक्षितगढ़ एक बरात में चढ़त के लिए घोड़ा बग्गी लेकर गया था। देर रात लगभग तीन बजे वापस लौटने के दौरान महल खरदौनी गांव में दौराला की ओर से आ रहे डस्ट से भरे एक ट्रक ने घोड़ा बग्गी को टक्कर मार दी।

ट्रक घोड़ा बग्गी सवार सभी लोगों को दूर तक घसीटते हुए ले गया। हादसे में सीताराम, तौफीक, अहजाद की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, रवि के दोनों पैर पर पहिया चढ़ने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा नवेद पुत्र लियाकत की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। मोहित मामूली रूप से घायल हुआ।

परिजनों ने लगाया जाम

मोहित ने मामले की जानकारी फोन पर अपने पिता शीशपाल को दी। जानकारी मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन एकत्रित होकर घटनास्थल पर पहुंचे और जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। इस दौरान कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। एसपी देहात अनिरुद्ध सिंह भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझा-बुझाकर शांत किया। पुलिस ने जाम खुलवाने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

द प्रिंट और सौरभ शुक्ला को मिला पत्रकारिता का गौरवशाली सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंटरनेशनल प्रेस इंस्टीट्यूट (आईपीआई) द्वारा एनडीटीवी के पत्रकार सौरभ शुक्ला और न्यूज़ पोर्टल 'दिप्रिंट' को इंडिया अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन जर्नलिज्म 2022 से सम्मानित किया गया। सौरभ शुक्ला को यह अवार्ड हरिद्वार हेट स्पीच मामले को उजागर करने के लिए दिया गया। वहीं कोरोना महामारी के दौरान बेहतरीन रिपोर्टिंग करने के लिए दिप्रिंट को यह सम्मान प्रदान किया गया। दिप्रिंट के युवा पत्रकारों के द्वारा कोरोना महामारी के दौरान साहसपूर्ण रिपोर्टिंग करने और एक्सक्लूसिव रिपोर्ट दुनिया के सामने लाने के लिए दिया गया।

कंस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित अवार्ड समारोह में भारत के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यू यू ललित, जस्टिस मदन बी लोकुर, फिलिप मैथ्यू, एन रवि और दिप्रिंट के एडिटर इन चीफ शेखर गुप्ता मौजूद रहे। इस अवार्ड के लिए सौरभ और दिप्रिंट का चयन सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस मदन बी. लोकुल की अध्यक्षता में एडिटर्स और प्रतिष्ठित लोगों के एक समूह ने किया। सौरभ के अलावा दिप्रिंट में यह पुरस्कार ज्योति यादव, सोनिया अग्रवाल, प्रवीण जैन, मनीषा मोंडल, सूरज सिंह बिष्ट, फातिमा खान और अनीशा बेदी को मिला।

बता दें कि सौरभ को उनकी निडर और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाना जाता है। उन्हें इससे पहले भी कई तरह के सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। आईपीआई का इंडिया चैप्टर अखबारों, पत्रिकाओं और न्यूज एजेंसियों के संपादकों, प्रकाशकों और सीनियर एग्जीक्यूटिव का एक एक्टिव फोरम है, जो सभी इंटरनेशनल प्रेस इंस्टीट्यूट के सदस्य हैं।

इंडियन चैप्टर 1996 और 2001 में भारत में आईपीआई की वर्ल्ड कांग्रेस और जनरल असेंबली की सफलतापूर्वक मेजबानी कर चुका है, और समय-समय पर प्रेस की स्वतंत्रता से जुड़े तमाम मुद्दे उठाता रहा है।

कई प्रतिष्ठित अवार्ड मिल चुके हैं सौरभ शुक्ला को

एनडीटीवी के पत्रकार सौरभ शुक्ला को देश के कई प्रतिष्ठित एवार्ड मिल चुके हैं जिसमें रेड इंक समेत कई अवार्ड शामिल है। सौरभ ने देश के कई हिस्सों में जन सरोकारों को लेकर शानदार स्टोरी की है। उनके कई स्टिंग आपरेशन ने देश भर में तहलका मचाया है। पिछले दिनों सहारनपुर की हवालात में बेकसूरों को पीटने की सौरभ की स्टोरी के बाद ही लोगों को न्याय मिला था।

72 साल पुराना है आईपीआई का इतिहास

72 साल पहले न्यूयॉर्क में 15 देशों के संपादकों के एक समूह की तरफ से स्थापित किया गया आईपीआई अब एक वैश्विक संगठन बन चुका है, जिसका लक्ष्य प्रेस की आजादी को नए मुकाम पर पहुंचाना है। वियना स्थित आईपीआई विभिन्न राष्ट्रों के बीच सटीक और संतुलित खबरों के मुक्त आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रेस की स्वतंत्रता के किसी भी तरह से उल्लंघन और सूचना के मुक्त प्रवाह पर पाबंदी जैसी किसी भी स्थिति में यह सरकारों और संगठनों के खिलाफ विरोध जताकर प्रेस की आजादी की रक्षा करने में सबसे आगे रहा है।

फोटो :4 पीएम

श्रद्धांजलि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 55वीं पुण्यतिथि पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, एमएलसी मुकेश शर्मा, पूर्व मंत्री आशुतोष टंडन, विधायक राजेश्वर सिंह समेत कई भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीजीसीए ने एयर एशिया पर लगाया 20 लाख का जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डीजीसीए ने एयर एशिया पर 20 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया है। एयर एशिया पर यह जुर्माना डीजीसीए के नियमों के उल्लंघन के चलते लगाया गया है।

दरअसल जांच के दौरान एयर एशिया के पायलट, पायलट प्रोफिशिएंसी चेक के दौरान नियमों के उल्लंघन के दोषी पाए गए। डीजीसीए ने अपनी जिम्मेदारी का ठीक से निर्वाह ना करने के लिए एयर एशिया के आठ जांचकर्ताओं पर भी 3-3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बता दें कि यह जांचकर्ता डीजीसीए के सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट नियमों का पालन कराने में असफल रहे।

विधायक अब्बास अंसारी से जेल में मिलने गईं पत्नी निखत गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चित्रकूट के रगौली जिला जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास को जेल से बाहर ले जाने की साजिश रचने में पत्नी निखत को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। निखत शुक्रवार को बंदी मुलाकाती रजिस्टर में नाम दर्ज कराए बिना अपने पति अब्बास से मिलने जेल पहुंची थीं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब्बास अंसारी जिला जेल रगौली में लगभग दो माह से निरुद्ध हैं। शुक्रवार को जिला जेल में डीएम अभिषेक आनंद व एसपी वृंदा शुक्ला ने छापेमारी की जिसमें अब्बास से मिलने आईं निखत की तलाशी में मोबाइल समेत कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद हुईं। तलाशी के दौरान निखत ने पुलिस टीम को देख लेने और परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। जिसके बाद महिला सिपाहियों ने निखत को जेल के बाहर से हिरासत में ले लिया गया।

चौकी प्रभारी श्याम देव सिंह ने कर्वी कोतवाली में जेल अधीक्षक अशोक सागर, डिप्टी जेलर, एक सिपाही, अब्बास की पत्नी निखत और उनके ड्राइवर समेत पांच लोगों के खिलाफ धारा 387, 222, 186, 506, 201, 120 B समेत अन्य कई गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है।

देश में मुस्लिमों को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख का बड़ा बयान

भारत जितना मोदी का, उतना मदनी का भी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने देश में कथित इस्लामोफोबिया को लेकर चिंता जताई है। मदनी ने कहा कि ये देश हमारा भी है। मदनी ने आगे कहा जितना यह देश मोदी और मोहन भागवत का हैं उतना ही महमूद का भी है। मदनी ने दिल्ली के रामलीला मैदान में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बयान दिया।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने कहा, भारत हमारा देश हे। यह देश जितना नरेंद्र मोदी और मोहन भागवत का है, उतना ही यह देश महमूद का भी है। न तो महमूद उनसे एक इंच आगे हैं और न ही वे महमूद से एक इंच आगे हैं।

सबसे पुराना धर्म है इस्लाम

जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रमुख ने कहा, यह भूमि मुसलमानों की पहली मातृभूमि है। यह कहना कि इस्लाम एक ऐसा धर्म है, जो बाहर से आया है, सरासर गलत और निराधार है। इस्लाम सभी धर्मों में सबसे पुराना धर्म है। हिंदी मुसलमानों के लिए भारत सबसे अच्छा देश है।

अलग कानून बनाने की उठाई मांग

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अधिवेशन के दौरान मदनी रामलीला मैदान में मौजूद थे। इस तीन दिवसीय अधिवेशन में उन्होंने देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ दंगा भड़काने वालों के खिलाफ सख्त सजा देने के लिए अलग कानून बनाने की मांग उठाई है। मदनी ने आरोप लगाया कि देश में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत और उकसावे वाले मामले बढ़ रहे हैं। यह सेशन रविवार को समाप्त होगा।

सरकार पर भी लगाया आरोप

मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि देश में मुसलमानों के खिलाफ नफरत बढ़ रहे हैं। सबसे दुखद बात है कि ये सब सरकार के सामने हो रहा है और वो खामोश हैं। उन्होंने कहा कि वो सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाह रहे हैं कि देश की अखंडता कैसे सुनिश्चित की जाए और देश की सकारात्मक छवि कैसे बनाई जाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।